समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 26 August 2026

“सबका सम्मान, जीवन आसान” सहयोग शिविर मे उंमड़ी ग्रामीणों की भीड़, डीएम और एसपी ने सुनीं समस्याएं

RANJEET KUMAR Published on 20 May 2026

[illegible] | [illegible], [illegible] | [illegible]

जिले के पाली थाना क्षेत्र अंतर्गत सैदाबाद परसाईं गांव में मंगलवार को “सहयोग शिविर” का आयोजन किया गया। शिविर की संयुक्त अध्यक्षता जिला पदाधिकारी अलंकृता पाण्डेय एवं पुलिस अधीक्षक अपराजित लोहान ने की। इस शिविर का उद्देश्य प्रशासन और आम नागरिकों के बीच सीधा संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान करना था।

“सबका सम्मान, जीवन आसान” के मंत्र पर आधारित इस शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया। ग्रामीणों ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन, राशन कार्ड, भूमि विवाद, स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल, बिजली, आवास योजना और आयुष्मान भारत योजना सहित विभिन्न समस्याओं एवं योजनाओं से संबंधित आवेदन प्रशासन के समक्ष प्रस्तुत किए।

शिविर के दौरान अधिकारियों ने लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कई मामलों का मौके पर ही निष्पादन किया गया, जबकि अन्य आवेदनों को शीघ्र कार्रवाई के लिए संबंधित विभागों को अग्रसारित किया गया। अधिकारियों ने ग्रामीणों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ लेने की प्रक्रिया की भी विस्तृत जानकारी दी।

जिला पदाधिकारी अलंकृता पाण्डेय ने कहा कि प्रशासन गांव-गांव पहुंचकर आम लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता है।

वहीं पुलिस अधीक्षक अपराजित लोहान ने ग्रामीणों से कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की समस्या या सूचना तुरंत प्रशासन और पुलिस को दें, ताकि समय रहते उचित कार्रवाई की जा सके।

प्रशासन ने नागरिकों से पंचायत स्तर पर आयोजित सहयोग शिविरों में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने का आग्रह किया, ताकि सरकारी योजनाओं का लाभ हर जरूरतमंद तक पहुंच सके।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/RANJEET KUMAR, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.